भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1420

गुरुवार, 14 दिसम्बर, 2023/23 अग्रहायण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में पर्यटन को बढ़ावा

1420 श्री विवेक ठाकुर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) इन पहलों के परिणामस्वरूप बिहार राज्य में पर्यटन क्षेत्र को कितनी मात्रा में लाभ और उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ने बिहार सहित देश में पर्यटन क्षेत्र के विकास और संवर्धन के लिए विगत वर्षों में विभिन्न योजनाओं/पहलों के तहत कई कदम उठाए/उपाय किए हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

i. पर्यटन संबंधी अवसंरचना का विकास 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन'और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत किया जाता है। बिहार राज्य में उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। एसडी 2.0 के तहत बिहार राज्य में विकास हेतु 'गया और नालंदा' गंतव्यों को चिह्नित किया गया है।

iii. आतिथ्य सहित घरेलू सवंर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए भी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता दी गई है। बिहार राज्य को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

iv. नागरिकों को अपने देश की यात्रा हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देखो अपना देश पहल की शुरूआत की गई।

v. अन्य निश उत्पादों में निरोगता पर्यटन, कलीनरी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ईको पर्यटन आदि जैसे थीमेटिक पर्यटन का व्यापक रूप से संवर्धन किया जाता है ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे का विस्तार किया जा सके।

vi. ई-वीजा की पांच उप-श्रेणियों यथा ई-पर्यटक वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा और ई-कॉन्फ्रेंस वीजा की सुविधा 167 देशों के नागरिकों के लिए मुहैया कराना ।

vii. ई-वीजा का और अधिक उदारीकरण किया गया है और वीजा शुल्क में उल्लेखनीय कटौती की गई है ।

viii. पर्यटक गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धातमकता में वृद्धि करने के लिए 1,001 रु. से 7,500 रु. प्रति रात्रि के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को घटाकर 12% और 7,501 रु. से अधिक के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 18% कर दिया गया है।

ix. पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ उनकी आरसीएस-उड़ान योजना में सहयोग किया है। बिहार सहित देश के पर्यटन स्थलों के लिए हवाई संपर्क में सुधार लाने के लिए अब तक 53 पर्यटन मार्गों का प्रचालन शुरू हो गया है।

x. पर्यटन मंत्रालय अखिल भारतीय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक डिजिटल पहल चला रहा है जिसका लक्ष्य देश भर में सुप्रशिक्षित एवं पेशेवर व्यावसायिक पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों का एक समूह तैयार करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म बनाना है।

xi. बेहतर मानक सेवा मुहैया कराने के लिए श्रम-शक्ति के प्रशिक्षण और उन्नयन हेतु 'सेवा प्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण योजना (सीबीएसपी) के तहत कार्यक्रमों का आयोजन।

xii. आतिथ्य उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस (निधि) एक प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली है, जो डिजिटलीकरण की सुविधा और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र हेतु व्यापार में सुगमता प्रदान करने के लिए है। इस पहल को न केवल आवास इकाइयों, बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स, कन्वेंशन सेंटर और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं की अधिक समावेशिता के लिए निधि + के रूप में भी अपग्रेड किया गया है।

बिहार में 2018 से 2022 की अवधि के दौरान घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) का विवरण नीचे दिया गया है:-

वर्ष	**डीटीवी (लाख में)**
2018	336.22
2019	339.90
2020	56.38
2021	25.01
2022	253.30

स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पर्यटन विभाग

****

अनुबंध

श्री विवेक ठाकुर द्वारा बिहार में पर्यटन को बढ़ावा के सम्बन्ध में दिनांक 14.12.2023 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1420 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना **(करोड़ रुपये में)**

क्र. सं.	राज्य	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली-आरा-मसाद-पटना-राजगीर-पावापुरी-चंपापुरी का विकास	33.96
2.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग का एकीकृत विकास: सुल्तानगंज - धर्मशाला- देवघर	44.76
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास- बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	गांधी परिपथ: भितिहरवा-चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास	44.27
5.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और आंग प्रदेश का विकास	44.55

प्रसाद योजना **(करोड़ रुपये में)**

क्र.सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत वर्ष**	**अनुमोदित लागत**
1.	बिहार	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में अवसंरचना का विकास	2014-15	4.27
2.	बिहार	पटना साहिब में विकास	2015-16	41.54

पर्यटन अवसंरचना विकास योजना के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता **(करोड़ रुपये में)**

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजनाओं के नाम**	**वर्ष**	**केंद्रीय एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**
1.	बिहार	रेल मंत्रालय के सहयोग से गया रेलवे स्टेशन पर पर्यटक सुविधाओं का संयुक्त विकास	2013-14	रेल मंत्रालय	5.18

आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रदान की गई वित्तीय सहायता

(लाख रुपये में)

राज्य का नाम	**वर्ष**	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत राशि**
बिहार	2019-20	सोनपुर मेला	25.00
		राजगीर महोत्सव	25.00

******